



उद्देश्य:

दी अवधारणा गी समझो राग ते उत्तर ते दक्खन भारती शास्त्री संगीत च ताल ।

क्या तुस जानदे ओ

हिंदुस्तानी संगीत चदा बोल्लो प्रणाली, पैहू ली परtra आखेआ जंदा ऐ ऐम्म ।

## अध्याय 8

ताल जां ताल ते राग जां बन्न-सबन्नता भारती संगीत च

ताल हिंदुस्तानी शास्त्री संगीत च

केहरवा ताल

| Taal signs | X   |    |    |    | 0  |    |      |    |
|------------|-----|----|----|----|----|----|------|----|
|            | 1   | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7    | 8  |
|            | Dha | Ge | Na | Ti | Na | Ka | Dhin | Na |

दादरा भाशा

Matra: 6

Vibhag: 2

Tali: on 1 matra

Khali: on 4 matra

| Taal signs | X   |      |    | 0   |    |    |
|------------|-----|------|----|-----|----|----|
| Matra      | 1   | 2    | 3  | 4   | 5  | 6  |
| Bols       | Dha | Dhin | Na | Dha | Tu | Na |

भाशा दे खलाफ

Matra: 16

Vibhag: 4

Tali: on 1, 5, 13 matra

Khali: on 9 matra

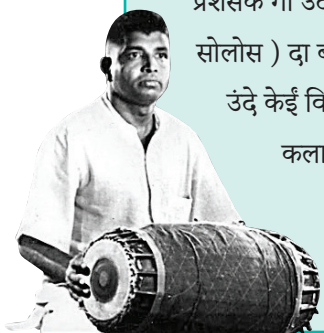
| Taal signs | X   |      |      |     | 2   |      |      |     | 0   |     |     |    | 3  |      |      |     |
|------------|-----|------|------|-----|-----|------|------|-----|-----|-----|-----|----|----|------|------|-----|
| Matra      | 1   | 2    | 3    | 4   | 5   | 6    | 7    | 8   | 9   | 10  | 11  | 12 | 13 | 14   | 15   | 16  |
| Bols       | dha | dhin | dhin | dha | dha | dhin | dhin | dha | dha | tin | tin | ta | ta | dhin | dhin | dha |



0680CH08

क्या तुस जानदे ओ

मृदंगम वादक संगीता कलानिधि ते  
पद्म भूषण कन्नै सम्मानत पालघाट  
मणि अय्यर ने 10९ बरें दी उमरी च  
अपना पैह्ला प्रदर्शन कीता। उ'नें  
तंजावुर श्री वैद्यनाथ अय्यर दे तैहूत  
प्रशिक्षित कीता। मणि अय्यर ने छड़ा  
लयबद्ध समर्थन प्रदान करने दे बजाए  
मृदंगम पर संगीत वाक्यांशें दा सक्रिय  
रूप कन्नै समर्थन करने दी अवधारणा  
पेश कीती। ओहू अपने समे दे केई  
प्रमुख कलाकारें दे कन्नै हे। उंदे  
प्रशंसकें गी उंदे थानी अवर्णम (   
सोलोस ) दा बी नंद लैता गेआ।  
उंदे केई विद्यार्थी लोकप्रिय  
कलाकार बनी गे।



## ताल कर्नाटक संगीत च

कर्नाटक संगीत च, ताल बीट रक्खने आस्तै इस्तेमाल कीता जंदा ऐ। हर इक ताल इक निश्चित गिनती च धड़कन होंदी ऐ ते दर्शाया जंदा ऐ। इसगी इस नांs कन्नै जानेआ जंदा ऐ ताल साइकल जां अवर्तनम. दे हिस्से ताल जिनें गी इस चाल्ली जानेआ जंदा ऐ अंगमस. तै अंगमसए न:

**लघू** - एहू इक ताड़ी ऐ जेहू दे परैत्त उंगलियें दी गिनती कीती जंदी ऐ। एहू 3, 4, 5, 7 जां 9 ताल होई सकदा ऐ। इसगी इस चाल्ली दर्शाया गेआ ऐ | एहूदे परैत्त बीट्स दी गिनती ( सबस्क्रिप्ट दे रूपा च )।

जिसलै लघू तै धड़कन न, अस इसगी आखने आं तिशारा जाति।

जिसलै लघू चार बीट्स न, अस इसगी आखने आं चालाक जाति।

जिसलै लघू पंज धड़कन न, अस इसगी आखने आं हहंडा जाति।

जिसलै लघू सत्त ताल न, अस इसगी आखने आं मिश्रा जाति।

जिसलै लघू नौ बीट्स न, अस इसगी आखने आं संकीर्णा जाति ही।

**धृतम** - एहू इक ताड़ी ऐ जेहू दे परैत्त हत्थ दी लैहूर औंदी ऐ। एहूदे दो ताल न। इसगी ओहूदे रूपै च दर्शाया गेआ ऐ।

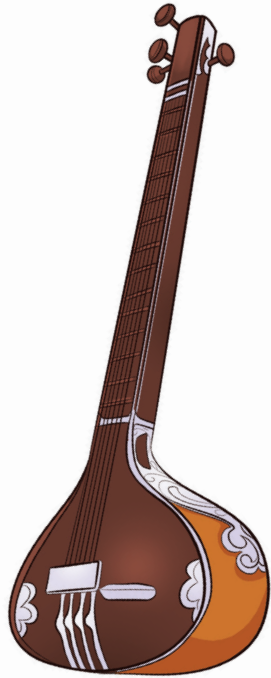
**अनुधृतम** - एहू छड़ी इक ताड़ी ऐ। एहूदा इक बीट ऐ ते इसगी तुं'दे रूपा च दर्शाया गेआ ऐ ते उप्पर दित्ते गेदे द'ऊं दी तुलना च एहूदा घट्ट इस्तेमाल कीता जंदा ऐ।

चलो दिक्खने आं कियां लघू ते धृतम दे रूप च पेश कीते जंदे न बोल्लो.

**रूपक ताल** — एहू ताल इक ऐ धृतम इक दे परैत्त लघू. चतुप्राश्ना दौड़ रूपक समतल इस करियै, छे बीट्स ( 4 + 2 ) दा इक चक्कर ऐ। इसगी ओ दे रूपै च दर्शाया गेआ ऐ।

**आदि ताल** — एहू ताल इक ऐ लघू एहू दे परैत्त दो धृतम. एहू अट्ट ताल ( 4 + 2 + 2 ) दा इक चक्कर ऐ। इसगी इस चाल्ली दर्शाया गेआ ऐ। ओ।

| कर्नाटक संगीत शब्द | हिंदुस्तानी संगीत शब्द |
|--------------------|------------------------|
| बन्न-सबन्नता       | राग                    |
| आरोहणम             | आरोह                   |
| आरोहणम             | आरोह                   |
| गमकम               | गामक जी                |
| लायम               | लाया                   |



## रागs भारती संगीत च

भारत च शास्त्री संगीत दियां दो बक्ख-बक्ख शैलियां न - कर्नाटक जां दक्खन भारती शास्त्री संगीत, ते हिंदुस्तानी जां उत्तर भारती शास्त्री संगीत। सुर हर इक शैली च तुसें गी पिछले सफे च समझाया गेआ ऐ। कर्नाटक संगीत च जनेह् वाद्ययंत्रें दा इस्तेमाल कीता जंदा ऐ वीन, वायलिन, बंसरी, नादस्वरम, मृदंगम, घटम, कांजीरा ते मोर्सिंग. रचनां आमतौरा पर संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम ते तमिल भाशा च होंदियां न। हिंदुस्तानी संगीत जनेह् वाद्ययंत्रें दा इस्तेमाल करदा ऐ तानपुरा, सितार, सारद, सारंगी, संतूर, तबला, ते पखावज. गाने आमतौरा पर हिंदी, संस्कृत ते बृजभाशा च लिखे जंदे न।

**दिक्खो** एह् दे बारे च समझने आस्तै वीडियो राग ते बोल्लो.

राग इक पैमाने पर अधारत ऐ। हर पैमाने च नोट होंदे न (सुर) आरोही च (आरोहण) ते उतरदा ऐ (अवरोहण) आर्डर करो। कल्पना करो जे इक सीढ़ी बनी दी ऐ सुर! पैमाने च नोट दे मताबक बदलदे न राग.

## संकेतन योजना

उच्च सप्तक च नोट लिखदे समें (तार सप्ताक), नोटें गी इस चाल्ली दे डिश उप्पर इक बिंदु द्वारा दर्शाया जंदा ऐ, खलके सप्तक च नोट (मंदरा सप्तक) इस चाल्ली खल्ल इक बिंदु आसेआ दर्शाया जंदा ऐ, ऋण। मझाटले सप्तक दे नोट (मध्य सप्तक) सिर्फ द्वारा दर्शाया जंदा ऐ सुर इस चाल्ली ऐ।

## हां दा राग

आओ अस नोटें दे इक बशेश समूह आस्तै इस्तेमाल कीती जाने आह्ली इक होर दिलचस्प शब्दावली जानने आं राग. जे इक राग च पंज सुर होंदे न तां इसगी इस चाल्ली जानेआ जंदा ऐ औलाद जाती. जे ए राग छे नोट न इसगी इस नांs कन्नै जानेआ जंदा ऐ शादव जाती. जे ए राग सत्त नोट न इसगी इस नांs कन्नै जानेआ जंदा ऐ पूरी दौड़.

## गतिविधि 1: राग भूप

दा राग भूप हेठ लिखे दे नोट न :

ऊह, ते में जा'रदा आं: एस आर जी पी डी एस

चलो इसगी बेचचै: डी पी जी आर एस

दा राग हंसध्वानी हेठ लिखे दे नोट न :

ऊह, ते में जा'रदा आं: एस आर जी पी एन एस

चलो इसगी बेचचै: एन पी जी आर एस

जे तुस इस्तेमाल करियै इक पैमाने गी सजांदे ओ गा पर कास ( अलंकरण ), किश सुरें गी दर् हाना ते बशेश वाक्यांश बजाना, एह् इक बनी सकदा ऐ राग. हर इक राग म्हत्तवपूर्ण सुरें ते बशेश वाक्यांशें कन्नै सजाया गेआ ऐ।

राग संस्कृत च मैह्ना ऐ किश नेहा जेह्ड़ा दमाग गी रंगत करदा ऐ। हर इक राग दिमाग च किश भावनात्मक प्रतिक्रियां पैदा करदा ऐ। इसगी आखेआ जंदा ऐ स्वाद लैओ.

**दिक्खो** वीडियो चालू ऐ राग ते स्वाद लैओ इस बारे च मता समझने आस्तै रागs ते उंदे मूड !

भारती शास्त्री संगीत च, रचना राग जनेह् संगीत तत्वे दी संरचित व्यवस्था गी संदर्भत करदी ऐ (राग), ताल ( गल्ल ), ते बोल ( जेकर कोई होऐ )। भारती



शास्त्री संगीत च रचनाएं गी आमतौरा पर आखेआ जंदा ऐ बंदिश हिंदुस्तानी शास्त्री संगीत च ते म्हत्तवपूर्ण कर्नाटक शास्त्री संगीत च।

## गतिविधि 2: राग बिलावल च इक स्वरमालिका सिक्खो

इक रचना जेह्ड़ी इक च गाई गेई ऐ सरगम ( सुर ) इसगी एह् आखेआ जंदा ऐ श्वर्मलिका. श्वर्मलिका बक्ख-बक्ख इस्तेमाल करियै रचे जाई सकदे न रागs. **सुनो** गी स्वरमालिका च दे समें, सैट्ट करो पैर दी अंगुली दी भाशा.

### Swaramalika

Raga: Bilawal

Tala: Teentaal

Composer: Traditional

Aroha: S R G M P

Avaroha: Ś N D P M

### Sthayi

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |    |    |    |    |    |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 1 |
| S | P | M | G | R | G | R | S | S | R  | S  | N  | D  | N  | S |
| S | G | R | M | G | P | M | G | G | M  | P  | M  | G  | R  | S |

### Antara

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| P | Ś | N | D | P | M | P | D | N | - | Ś | - | R | R | Ś |
| Ś | R | G | R | Ś | N | D | P | Ś | N | D | P | M | G | P |

## दिलचस्प शब्द

राग यमन दा प्रमुख मूड श्रृंगार जां प्यार ऐ। इस राग च केई लोकप्रिय फिल्मी गाने लिखे गे न ! इस राग पर अधारत किश लोकप्रिय गाने तुप्पने दी कोशश करो। उनें गी सिक्खो ते गाओ।

## गतिविधि 3: सिक्खो बंदिश च यमन राग

दिक्खो एह् वीडियो सिक्खने आस्तै बंदिश च यमन राग.

The आरोहा जां आरोही नोट यमन राग न, एन आर जी एम डी एन दा गठन।

The Avआरोहा जां अवरोही नोट यमन राग न, एन डी पी एम जी आर एस।

ध्यान देओ जे एम नियमत एम कोला मता ऐ जेह् डा तुसें पैह् लें गाया ऐ। इक नोट च एह् लौह् की जनेही तब्दीली गाने दे मूड गी बदली दिंदी ऐ !

गाने च भगवान कृष्ण गी बंसुरी बजाने ते बंसुरी बजाने दा वर्णन कीता गेआ ऐ gopikas वृंदावन दे अपने राग पर नाचदे होई।

## यमन राग

### छोटा ख्याल — कान्हा बंसरी

स्थाई

कान्हा दी बंसरी अज्ज बजाई गई मोहा लाई सागरी बृजा नारी प्यारी

बिच्च

वृंदावन दी कुंजा गलीना मेई सांगा बृखभाना दुलारी प्यारी

## भाशा दे खलाफ

### Sthayi

| 1   | 2 | 3  | 4   | 5 | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13  | 14  | 15  | 16 |
|-----|---|----|-----|---|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|----|
| X   |   |    |     | 2 |    |    |    | 0  |    |    |    | 3   |     |     |    |
|     |   |    |     |   |    | P  | PM | GR | SN | D  | N  | R   | GM  | P   | M  |
|     |   |    |     |   |    | Aa | ja | Ba | ja | ii | Ka | nha | Ban | -   | su |
| P   | - | R  | R   | G | -  | P  | PM | G  | R  | S  | N  | R   | GM  | P   | M  |
| ri  | - | -  | -   | - | -  | Aa | ja | Ba | ja | ii | Ka | nha | Ban | -   | su |
| P   | - | R  | R   | G | P  | M  | D  | P  | -  | M  | M  | G   | -   | PM  | GR |
| ri  | - | -  | -   | - | Mo | ha | la | yi | -  | Sa | ga | ri  | -   | Bri | ja |
| R   | G | R  | S   | - | S  |    |    |    |    |    |    |     |     |     |    |
| Naa | - | ri | Pya | - | ri |    |    |    |    |    |    |     |     |     |    |

### Antara

| 1   | 2   | 3  | 4  | 5   | 6  | 7   | 8  | 9 | 10   | 11  | 12 | 13 | 14 | 15  | 16  |
|-----|-----|----|----|-----|----|-----|----|---|------|-----|----|----|----|-----|-----|
| X   |     |    |    |     |    |     |    | 0 |      |     |    | 3  |    |     |     |
|     |     |    |    |     |    |     |    | - | P    | -S  | S  | S  | S  | S   | -   |
|     |     |    |    |     |    |     |    | - | Brin | -da | -  | va | na | ki  | -   |
| -   | ND  | N  | R  | N   | ND | P   | -  | - | M    | DN  | S  | S  | S  | S   | -   |
| -   | Kun | ja | Ga | li  | na | mei | -  | - | Brin | da  | -  | va | na | ki  | -   |
| -   | ND  | N  | R  | N   | ND | P   | -  | - | M    | D   | M  | DN | RN | N   | ND  |
| -   | kun | ja | Ga | li  | na | mei | -  | - | San  | ga  | Li | ye | -- | Bri | kha |
| P   | -   | R  | R  | RG  | PR | P   | PM |   |      |     |    |    |    |     |     |
| bha | -   | na | Du | la- | ri | Aa  | ja |   |      |     |    |    |    |     |     |

क्या तुम जानदे ओ

पंडित विष्णु नारायण भातखंडे ने  
हिंदुस्तानी शास्त्री संगीत च संकेतन  
प्रणाली विकसत कीती। ओह पेशे कन्नै  
इक वकील हे, ते उंदे कोल बड़ी चेता  
ते बुद्धि ही। उनें संगीतकारें कन्नै मिलने  
ते उंदे कोला रचनाएं गी किट्टा करने  
आस्तै पूरे देश दा दौरा कीता। केई  
हारशिप दे बावजूद, उनें केई  
बक्ख-बक्ख रचनाएं गी किट्टा कीता  
ते उ'नेंगी संकेतन दे मताबक  
क्रामिक पुस्तक मालिका ( छे  
हिस्से ) च प्रलेखित कीता, जेह  
ड़ा उनें विकसत कीता।



## इक सिक्खो बंदिश गुरु पर राग यमन (सीरियल बुक सीरीज़ — भाग पैहू ला)

स्थाई

गुरु बिन कियां गाना ऐ, गुरु ना माने तां गन नेई आए  
गुड़ियां च ओहू गुनी कुत्थै न

बिच्च

माने तो रिज़वे सभनें गी चरण गाहे सदीकन दे  
जिसलै आवे अचपल ताल सूर

ताल – पैर दी अंगुली दी भाशा

\* इक शब्द दे बस्तार गी दर्शादा ऐ।

\* - ए दे बस्तार गी दर्शादा ऐ सुर हिंदुस्तानी संगीत संकेतन प्रणाली च।

### Sthayi

| Dha dhin dhin dha         | Dha dhin dhin dha    | Dha tin tin taa          | Ta dhin dhin dha       |
|---------------------------|----------------------|--------------------------|------------------------|
|                           |                      | P P N D<br>Gu ru bi na   | P D P -<br>Kai - Se -  |
| M R M M<br>Gu na gaa -    | P - - -<br>Ye - - -  | P N D P<br>Gu ru naa maa | - M G R<br>- ne to -   |
| G R GMP R<br>Gu n naa hee | S R S -<br>Aa - ye - | S S R R<br>Gu nee ya n   | G M M -<br>mey - vey - |
| P P - N<br>Gu ni - ka     | M D P -<br>Ha - ve - |                          |                        |

### Antara

|                          |                          |                       |                        |
|--------------------------|--------------------------|-----------------------|------------------------|
|                          |                          | P - P M<br>Maa - ne - | G - R -<br>To - Ri -   |
| G P S D<br>Jha - vey -   | S S S S<br>Sa ba ko -    | S S G R<br>Ch r n Ga  | S R S -<br>hey - Saa - |
| N D S S<br>di - ka na    | N N M P<br>Ke - Ja b     | P G P -<br>Aa - ve -  | G R S S<br>A ch pa l   |
| SR GG PD NS<br>Ta - - la | ND PM GR SS<br>- - - sur |                       |                        |

### कर्नाटक संगीत दी ट्रिनिटी

त्यागराज, मुथुस्वामी दीक्षितर ते श्यामा शास्त्री कर्नाटक संगीत दी लिमूर्ति दे रूपै च जानेआ जंदा ऐ। उ'नेंगी कर्नाटक संगीत दे अग्रणी संगीतकार मन्नेआ जंदा ऐ।  
त्यागराज दा मुद्रा (दस्तखत शब्द) हा त्यागराज, मुथुस्वामी दीक्षितरदा वाज गुरुगुहा ते श्यामा शास्त्री दे हे श्यामा कृष्ण.त्यागारोजा दे गाने जैदातर भगवान दी स्तुति च हे शाखा. मुथुस्वामी दीक्षितर संस्कृत च इक विद्वान हे, ते उनें गाया म्हत्तवपूर्ण सभनें देवते दी स्तुति च।  
श्यामा शास्त्री ने देवी पर विद्वाने दिवें रचनाएं दी रचना कीती कामाक्षी.

## गतिविधि 4: सिक्खो गीतम च रागम कल्याणी

सुनो सिक्खने आस्तै ऑडियो गी सुर (नोट्स) ते साहित्य दे (गीत) गीतम च रागम कल्याणी. एह् गीतम इक भगवान जां देवी दी स्तुति च, कर्नाटक शास्त्री संगीत च इक रचना ऐ। एह् गीतम च रचेआ गेआ ऐ रागम कल्याणी ते सैट्ट ऐ लै बारी तला. लै बारी तला इक सत्त ताल लयबद्ध चक्कर ऐ जिस्सी 3 + 2 + 2 दे रूप च बंडेआ गेआ ऐ। च नोट कल्याणी ओह् नोटें दे बराबर न शंकर दा शासन, एम. गी छोड़ियै। च एम कल्याणी मता ऐ।

गीत दे बोल  
कमला दे निशान  
वाम अला सुना च अ  
करिवरदा करुणाबुधे  
करुणा शरदे कमलाकांत  
केसी नरकासुर विभेदन  
वरदा वेलापुरा सुरोत्तमा  
करुणा शार्धे कमलाकांत

एह् गाना भगवान विष्णु दे बारे च ऐ जेह् डे ब्रह्मांड दे रक्षक न।

## Kamalajaadala

Ragam: Kalyani

Tala: Tripata

Composer: Purandaradasa

Arohanam: S R<sub>2</sub> G<sub>3</sub> M<sub>2</sub> P D<sub>2</sub> N<sub>3</sub> S

Avarohanam: S N<sub>3</sub> D<sub>2</sub> P M<sub>2</sub> G<sub>3</sub> R<sub>2</sub> S

|           |         |          |          |         |          |         |
|-----------|---------|----------|----------|---------|----------|---------|
| Ś<br>Ka   | Ś<br>ma | Ś<br>la  | N<br>jaa | D       | N<br>da  | Ś<br>la |
| N<br>Vi   | D<br>ma | P<br>la  | D<br>Su  | P<br>na | M<br>ya  | P<br>na |
| G<br>Ka   | M<br>ri | P<br>va  | P<br>ra  | D<br>da | D<br>Ka  | N<br>ru |
| D<br>naam | P       | M<br>bu  | P<br>dhe | G       | R        | S       |
| Ḍ<br>Ka   | N<br>ru | Ḍ<br>na  | G<br>Sha | R<br>ra | G<br>dhe | ,       |
| M<br>Ka   | P<br>ma | ,        | M<br>laa | G       | R        | S       |
| R<br>kaan | ,       | ,        | S<br>ta  | ,       | S        | ,       |
| G<br>Ke   | M       | P<br>shi | M<br>Na  | P<br>ra | D<br>kaa | P       |
| N<br>su   | D<br>ra | P<br>Vi  | D<br>bhe | P       | M<br>da  | P<br>na |
| G<br>Va   | M<br>ra | P<br>da  | P<br>Ve  | D       | D<br>laa | N       |
| D<br>pu   | P<br>ra | M<br>Su  | P<br>ro  | G       | R<br>tta | S<br>ma |
| Ḍ<br>Ka   | N<br>ru | Ḍ<br>na  | G<br>Sha | R<br>ra | G<br>dhe | ,       |
| M<br>Ka   | P<br>ma | ,        | M<br>laa | G       | R        | S       |
| R<br>kaan | ,       | ,        | S<br>ta  | ,       | S        | ,       |

एह् गाना उंदी करुणा ते महिमा दा वर्णन करदा ऐ।

## गाना तकनीकें

गमक बशेश सजावट न जिंदा उपयोग  
संगीतकार अपने संगीत गी मता शैल ते  
अभिव्यंजक बनाने आस्तै करदे न।  
नोट दी पिच गी दोलन करियै नियंत्रित  
कीता जंदा ऐ जां अगले नोट पर  
ग्लाइडिंग करो।

इत्थै किश मुखर वार्म-अप न रागम कल्याणी. सुनो  
उंदे आस्तै ते अभ्यास करो।

|    |   |   |   |   |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ś | N | D | P | M | G | R | S |
|    | S | , | , | , | S | , | , | , |
|    | G | R | S | Ṇ | S | R | G | M |
|    | S | R | G | M | P | D | N | Ś |

|    |   |   |   |   |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2. | Ś | N | D | P | M | G | R | S |
|    | S | , | , | , | S | , | , | , |
|    | G | R | S | Ṇ | S | S | Ṇ | S |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | S | R | G | M |
|    | S | R | G | M | P | D | N | Ś |

|    |   |   |   |   |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | Ś | N | D | P | M | G | R | S |
|    | S | , | , | , | S | , | , | , |
|    | G | R | S | Ṇ | Ḍ | Ṇ | S | Ṇ |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | S | S | Ṇ | S |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | S | R | G | M |
|    | S | R | G | M | P | D | N | Ś |

|    |   |   |   |   |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4. | Ś | N | D | P | M | G | R | S |
|    | S | , | , | , | S | , | , | , |
|    | G | R | S | Ṇ | Ḍ | P | Ḍ | Ṇ |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | Ḍ | Ṇ | S | Ṇ |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | S | S | Ṇ | S |
|    | S | Ṇ | S | R | G | M | P | M |
|    | G | R | S | Ṇ | S | R | G | M |
|    | S | R | G | M | P | D | N | Ś |

